संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -294 सोमवार ,26 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8+8 मूल्य 4 रूपये

कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए

और उजाड़ दिया आशियाना

अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापे ?

पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

कलम बंद का 55 वां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है...?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं...?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी...?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी, दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड...?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को

आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?

कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...

जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

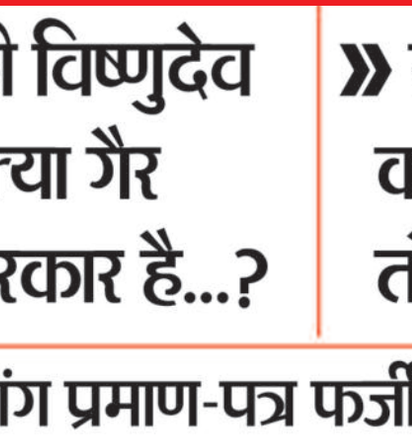

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री

श्री श्यामबिहारी जायसवाल

के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस

श्री मयंक श्रीवास्तव

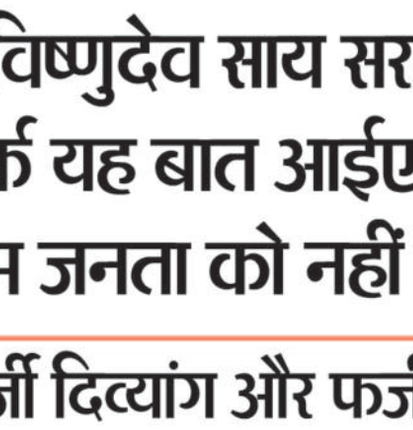

के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी ...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?

स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

दिव्यांग संघ ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी को भी दिया ज्ञापन

- फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे अधिकारियों के प्रमाण-पत्र की जांच कराने की गई मांग...
- स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का नाम भी है शामिल फर्जी दिव्यांग बनकर नौकरी करने वालों की सूची में...
- छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ वास्तविक दिव्यांगों को मिलने वाले लाभ के लिए लड़ रहा है लड़ाई...
- फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले वास्तविक दिव्यांगों के अधिकारों का कर रहे हनन...इतने बड़े मामले में सरकार क्यों चुप बैठी है?

-फाईल फोटो-

-विशेष संवाददाता-

अम्बिकापुर/रायपुर,25 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। सरकार दिव्यांगों के लिए कई योजना लाती है और दिव्यांगों को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह से प्रयास किए जाते हैं, ताकि ईश्वर के सताए हुए लोगों को सर उठाकर जीने का अधिकार मिल सके। इसके लिए कई नियम भी बनाए गए रोजगार देने की भी पहल की गई है पर दिव्यांगों के बीच में भी कुछ ऐसे लोग हैं जो उनके हक को भी मारकर उनके हक को छीन रहे हैं और ऐसे मामले पूरे देश में इस समय उदाहरण बने हुए हैं...जो सही में दिव्यांग है। उनके हक फर्जी दिव्यांग छीन रहे हैं। सरकार भी वास्तविक दिव्यांग के अधिकार को मारने वालों पर कार्यवाही करने से बच रही है ...क्योंकि फर्जी दिव्यांग सरकार को अपनी मर्जी से चला रहे हैं... इतनी ऊंची पहुंच व पकड़ है कि... शिकायत कोई भी कर ले... ना जांच होगी ना कार्यवाही होगी...और सही दिव्यांग अपने हक खोते जा रहे हैं। इस समय छत्तीसगढ़ में दिव्यांग संघ फर्जी तरीके से फर्जी दिव्यांग प्रमाण -पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे लोगों को लेकर लगातार शिकायत कर रहा है और जांच कार्यवाही की मांग कर रहे हैं ताकि सही दिव्यांगों को उनका हक दिला सके। एक बार फिर दिव्यांग संघ वित्त मंत्री ओपी चौधरी को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की है और सही दिव्यांगों को उनका हक मिल सके इसकी वह लड़ाई लड़ रहे हैं बड़ा आंदोलन भी उनके तरफ से होने जा रहा है ऐसे में ही सवाल यह उठता है कि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी जो राज्य सेवा आयोग के अधिकारी हैं उनकी भी नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी हुई है जिसका नाम भी दिव्यांग संघ के सूची में मौजूद है जो फर्जी अधिकारी कर्मचारी वाली ही सूची में शामिल है जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र में सुर्खियों में है स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर ही चुने गए हैं और इसके लिए उन्होंने श्रवण बाधित बनकर उसका फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर यह नौकरी हासिल की है। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी है यह हम नहीं कह रहे हैं यह प्रदेश का दिव्यांग संघ कह रहा है और उसका कहना है की सभी को सरकार निकालने की नौकरी से कार्यवाही करे वरना वह बड़ा आंदोलन करेंगे क्योंकि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर ऐसे लोग दिव्यांग लोगों का हक मार रहे हैं और वह ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि उनकी पहुंच ऊपर तक है। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी की कुर्सी हथियाने वाले अधिकारी की पहुंच भी ऊंची है उनके एक भाई राज्य प्रशासनिक सेवा के ही अधिकारी हैं और वह पूर्व में मुख्यमंत्री के ओएसडी रह चुके हैं और उस समय माना जा रहा है अपने भाई को वह बचाने का काम करते थे वहीं अब खुद उनका भाई स्वास्थ्य मंत्री से जाकर इसलिए चिपक गया है उनका ओएसडी बन गया है क्योंकि उसे भी मालूम है वर्तमान सरकार में उसका बचाव एक ही व्यक्ति गलत होने के बावजूद भी कर सकता है वह खुद स्वास्थ्य मंत्री हैं जो अपने भतीजे की भी फर्जी डिग्री मामले में उसके भ्रष्टाचार मामले में उसके साथ खड़े हैं उसे कोरिया से भी बड़ा जिला देकर उसका मनोबल भ्रष्टाचार के लिए बढ़ा चुके हैं। अन्य कोई और उसकी मदद नहीं करेगा यह वह जानकर ही स्वास्थ्य मंत्री से जा चिपका है।

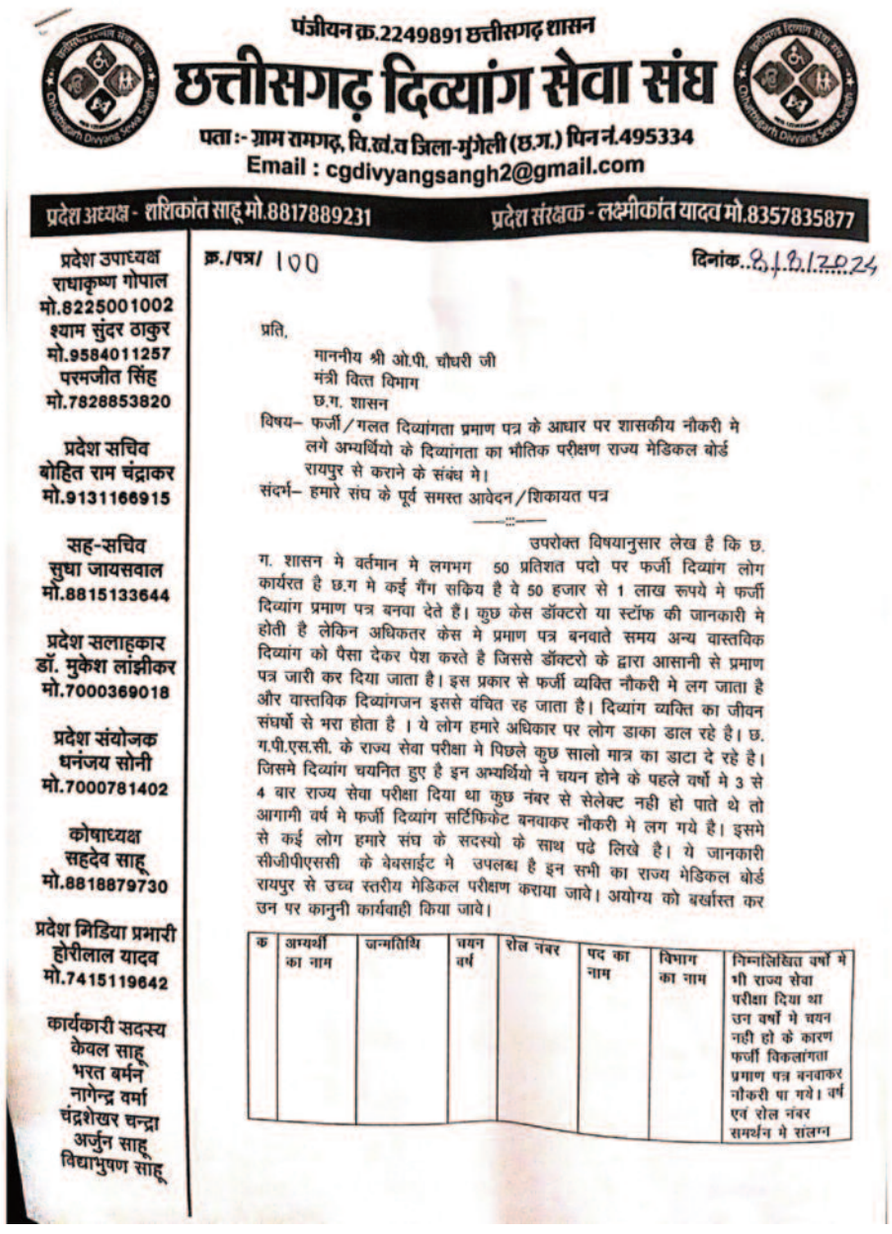

पंजीयन क्र.2249891 छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ

पता :- ग्राम रामगढ़, वि.खं.व जिला-मुंगेली (छ.ग.) पिन नं.495334

Email : cgdivyangsangh2@gmail.com

प्रदेश अध्यक्ष - शशिकांत साहू मो.8817889231 प्रदेश संरक्षक - लक्ष्मीकांत यादव मो.8357835877

प्रदेश उपाध्यक्ष
राधाकृष्ण गोपाल
मो.8225001002
श्याम सुंदर ठाकुर
मो.9584011257
परमजीत सिंह
मो.7828853820

प्रदेश सचिव
बोहित राम चंद्राकर
मो.9131166915

सह-सचिव
सुधा जायसवाल
मो.8815133644

प्रदेश सलाहकार
डॉ. मुकेश लांझीकर
मो.7000369018

प्रदेश संयोजक
धनंजय सोनी
मो.7000781402

कोषाध्यक्ष
सहदेव साहू
मो.8818879730

प्रदेश मिडिया प्रभारी
होरीलाल यादव
मो.7415119642

कार्यकारी सदस्य
केवल साहू
भरत बर्मन
नागेन्द्र वर्मा
चंद्रशेखर चन्द्रा
अर्जुन साहू
विद्याभुषण साहू

क्र./पत्र/ 100 दिनांक..21.8.2024

प्रति,
माननीय श्री ओ.पी. चौधरी जी
मंत्री वित्त विभाग
छ.ग. शासन

विषय– फर्जी/गलत दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय नौकरी मे लगे अभ्यर्थियो के दिव्यांगता का भौतिक परीक्षण राज्य मेडिकल बोर्ड रायपुर से कराने के संबंध मे।

संदर्भ– हमारे संघ के पूर्व समस्त आवेदन/शिकायत पत्र

उपरोक्त विषयानुसार लेख है कि छ. ग. शासन मे वर्तमान मे लगभग 50 प्रतिशत पदो पर फर्जी दिव्यांग लोग कार्यरत है छ.ग मे कई गैंग सक्रिय है ये 50 हजार से 1 लाख रूपये मे फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवा देते हैं। कुछ केस डॉक्टरो या स्टॉफ की जानकारी मे होती है लेकिन अधिकतर केस मे प्रमाण पत्र बनवाते समय अन्य वास्तविक दिव्यांग को पैसा देकर पेश करते है जिससे डॉक्टरो के द्वारा आसानी से प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है। इस प्रकार से फर्जी व्यक्ति नौकरी मे लग जाता है और वास्तविक दिव्यांगजन इससे वंचित रह जाता है। दिव्यांग व्यक्ति का जीवन संघर्षो से भरा होता है । ये लोग हमारे अधिकार पर लोग डाका डाल रहे है। छ. ग.पी.एस.सी. के राज्य सेवा परीक्षा मे पिछले कुछ सालो मात्र का डाटा दे रहे है। जिसमे दिव्यांग चयनित हुए है इन अभ्यर्थियो ने चयन होने के पहले वर्षो मे 3 से 4 बार राज्य सेवा परीक्षा दिया था कुछ नंबर से सेलेक्ट नही हो पाते थे तो आगामी वर्ष मे फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट बनवाकर नौकरी मे लग गये है। इसमे से कई लोग हमारे संघ के सदस्यो के साथ पढे लिखे है। ये जानकारी सीजीपीएससी के वेबसाईट मे उपलब्ध है इन सभी का राज्य मेडिकल बोर्ड रायपुर से उच्च स्तरीय मेडिकल परीक्षण कराया जाये। अयोग्य को बर्खास्त कर उन पर कानुनी कार्यवाही किया जाये।

क	अभ्यर्थी का नाम	जन्मतिथि	चयन वर्ष	रोल नंबर	पद का नाम	विभाग का नाम	निम्नलिखित वर्षो मे भी राज्य सेवा परीक्षा दिया था उन वर्षो मे चयन नही हो के कारण फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी पा गये। वर्ष एवं रोल नंबर समर्थन मे संलग्न

क्या वित्तमंत्री अपनी छवि साफ सुथरी वाली इस मामले में भी बरकरार रख पाएंगे?

वैसे अब प्रदेश के सबसे साफ सुथरे छवि के मंत्री के रूप में अपनी छवि जनता के बीच ले जाने वाले वित्तमंत्री के पास दिव्यांग संघ आवेदन प्रस्तुत किया है और फर्जी दिव्यांग अधिकारी कर्मचारियों पर वह कार्यवाही की मांग कर रहा है अब ऐसे में देखना है की क्या वित्तमंत्री अपनी छवि साफ सुथरी वाली इस मामले में भी बरकरार रख पाएंगे क्या वह फर्जी डिग्री और फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी करने वालों को नौकरी से बाहर निकालकर जेल के सलाखों के पीछे भेज पाएंगे?

मोदी की गारंटी के नाम से आई छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार में ही डूबती जा रही है?

वैसे छत्तीसगढ़ प्रदेश में भाजपा की इस बार की सरकार कई बड़े वादों के साथ वापसी कर सकी है जिसमे भ्रष्टाचार को भी मिटाना उसका वादा है या जिसे उन्होंने मोदी की गारंटी का नाम दिया है लेकिन जैसे जैसे सरकार का कार्यकाल आगे बढ़ रहा है यह देखने को मिल रहा है की सरकार भ्रष्टाचार में ही डूबती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में तो केवल भ्रष्टाचार का ही बोलबाला है वह स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे का मामला हो या उनके ओएसडी का मामला हो जिसमे एक फर्जी डिग्री वाला संविदा अधिकारी है और भ्रष्टाचार मचाता फिर रहा है वहीं एक फर्जी दिव्यांग बनकर बड़ा अधिकारी है और स्वास्थ्य मंत्री का खास है। यदि देखा जाए तो प्रदेश में भाजपा की नई सरकार की किरकिरी केवल स्वास्थ्य मंत्री के कारण ही हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री की मनमानी और उनकी स्वास्थ्य विभाग में नियुक्ति जो महत्वपूर्ण पदों पर व्यवस्था के तहत की गई है वह यह साबित करता है की किस तरह चुन चुन कर भ्रष्टाचारियों को पद दिया गया जो मरीजों के हक का जितना लूट सके वह उतने ही बड़े पद पर स्वास्थ्य मंत्री की कृपा से बैठा है।उनका खुद का भतीजा तो बिचौलिया भी बन चुका है अब वह किसे किस पद रखना है क्या लेना देना है वह खुद तय करने लगा है।

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का 55 वां दिन

?

कलम बंद...का 55 वां दिन

आवाम की आवाज... घटती घटना

केशी
गुप्ता
द्वारका
नई दिल्ली

मत दबाओ आवाज़ हमारी
मै आवाज़ हूं आवाम की
सूत्र हूं शासक जनता के बीच
बातचीत का जरिया हूं
मैं हूं आवाज़ अन्याय के खिलाफ
मैं ही न्याय दिलवाती हूं
ख़बर बन अखबार की
जनता को जगाती हूं
मेरा कर्तव्य है सच पर चलना
सच से परिचय कराती हूं
घटित हुई हर घटना का
सही चित्रण बतलाती हूं
मत खेलों अस्तित्व से मेरे
कलमबद्ध हो यह कहती हूं
सफर पुराना है ये मेरा
दूर दूर तक जाती हूं
आवाज बुलंद है अपनी
कलम हथियार है अपना
हिम्मत हौसले से अपने
हर सफर तय कर जाती हूं
मत दबाओ आवाज़ हमारी
मैं आवाज हूं आवाम की

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

यह कैसी सरकार आ गई...शुरुआती दौर पत्रकारों के लिए बनी मुसीबत ?

» क्या पत्रकारों से कमियां दिखाने का अधिकार मौजूदा सरकार छीन रही...

» संविधान में मूल अधिकार का भी पत्रकार नहीं कर पाएंगे इस्तेमाल ?

» क्या संविधान से चलना भी अब इस सरकार में दूभर हो जाएगा ?

9 महीने वाली सरकार के कार्यकाल में पत्रकारों से जुड़े कई मामले आ गये सामने

काफी कठिन है बात तो संविधान की होती है पर संविधान के साथ चलने में कई रोड़े आते हैं। कुछ ऐसा ही नजर छत्तीसगढ़ में देखने को मिल रहा है। साक्षात के उदाहरण इस समय खड़े हो चुके हैं मुंह बंद करने व कलम बंद करने की तैयारी है। गांधी के देश में बुलडोजर व फर्जी प्रकरण कोई कार्रवाई माना जा रहा है। चौथा स्तंभ को अब सिर्फ उम्मीद है भी तो देश के पहले स्तंभ से यानी कि न्यायपालिका से न्यायपालिका की अब चौथे स्थान के लिए सहारा बन सकती है और चौथा स्तंभ को भी अभिनयपालिका से ही उम्मीद है।

बदले की भावना से घटती-घटना समाचार-पत्र कार्यालय पर चला बुलडोजर

खबरों के प्रतिशोध में जहां मौजूदा सरकार ने नियम को ही निरस्त कर दिया और शासन प्रशासन को खुली छूट दे दी एक अखबार के प्रतिष्ठा को नेस्तनाबूत करने की और ऐसा लगा कि उन्होंने कोई जंग जीत ली हो, लेकिन अखबार के प्रतिष्ठान टूटने से सरकार की छवि कितनी धूमिल होगी इस बात का अंदाजा शायद उन्हें भी नहीं था, लेकिन कार्यवाही तो उन्होंने कर दी पर इस कार्यवाही से सरकार की थू-थू वाली स्थिति हो गई है, मौजूदा सरकार व प्रशासन में बैठे लोगों को तो सिर्फ प्रतिशोध निकालना था वहीं शासन में बैठे मंत्रियों की बात मानी और एक अखबार के मालिक के प्रतिष्ठान को जमींदोज करके सिर्फ अपना प्रतिशोध निकाला, प्रतिशोध को पूरा करने के लिए प्रतिष्ठान को नेस्तनाबूत करने की प्रक्रिया रची गई थी जिसका हिस्सा बने थे वह लोग जो अखबार की खबरों से कुंठित हो चुके थे,जिस मामले में भले ही लोगों को लग रहा था कि मामला शांत है पर इस शांत मामले आने वाला समय सरकार को भी कचोटेगा। कार्यवाही अंबिकापुर में दैनिक घटती-घटना संपादक के विरुद्ध हुई उसे कुछ समय के लिए टाला भी जा सकता था...और चूंकि संपादक पित्रशोक में थे उन्हें समय कम से कम 13 दिवस का दिया जा सकता था... जो नहीं दिया गया...यह एक विद्वेष माना जा सकता है प्रशासन-शासन का। जहां कार्यवाही हुई या जिस शहर में कार्यवाही हुई वहां वह एकमात्र ऐसा मामला होता अतिक्रमण का समझ में आती कार्यवाही की अन्य पर भी हुई कार्यवाही लेकिन ऐसा नहीं देखने सुनने को मिला एकमात्र कार्यवाही हुई पूरे प्रदेश में जो द्वेष ही मानी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा की 152 प्रतिशत जमा कर शासकीय भूमि पर वर्षों का कब्जा बहाल किया जाना पूर्व सरकार का एक निर्णय था जिसे वर्तमान सरकार ने कैबिनेट में निरस्त किया लेकिन जब निरस्त ही किया तो क्या एकमात्र व्यक्ति के लिए निरस्त किया यह एक बड़ा प्रश्न है जो जवाब मांग रहा है।

पत्रकारों की गाड़ी में गांजा रखकर फर्जी तरीके से एफआईआर

छत्तीसगढ़ सुकमा जिले के चार पत्रकार साथी अवैध रेत खनन पर समाचार कवरेज करने गये थे, उसी दरम्यान पत्रकारों की गाड़ी में गांजा रखकर फर्जी तरीके से एफआईआर दर्ज कर थाना में बैठा दिया गया। बता दें कि सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र और आन्ध्र प्रदेश के चितूर थाना क्षेत्र जो छत्तीसगढ़ आन्धप्रदेश का बार्डर है। कोंटा,चितूर के बीच अवैध उत्खनन व परिवहन का काम धड़ल्ले से चल रहा है। अवैध उत्खनन पर समाचार कवरेज करने गये चार पत्रकार साथी बप्पी राय,धर्मेन्द्र सिंह,मनीष सिंह,निशु त्रिवेदी के वाहन पर गांजा रखकर फर्जी तरीके से मामला दर्ज करा दिया गया। फर्जी एफआईआर दर्ज कराने में अवैध खनन माफिया और कोंटा थाना प्रभारी की मुख्य भूमिका रही है। बहरहाल कोंटा थाना प्रभारी को निलंबित कर जेल भेज दिया गया है। गांजा तस्करी के मामले में साजिश के तहत् फर्जी तरीके से फंसाने का यह पहला मामला है। अवैध उत्खनन पर खबर बनाने गये पत्रकार साथी खुद ख़बर बन गये। दोनों राज्यों के बार्डर वाले थाने के देखरेख में अवैध उत्खनन का कारोबार फल-फूल रहा है। इसे रोका जाना आवश्यक है। संविधान में लोकतंत्र का चौथे स्तंभ के द्वारा अवैध काले कारनामे को उजागर करने एवं आम जनता, समाज के सामने सच्चाई का आईना दिखाने का कार्य पत्रकार के द्वारा किया जाता है। लेकिन दुर्भाग्य है कि पत्रकारों को झूठे केस में फंसा दिया जाता है।

पत्रकार को धमका रहे विधायक

छत्तीसगढ़ में भाटापारा के विधायक हैं इंद्र साव। दो लोगों के जमीन विवाद का मसला था, इनमें से एक का पक्ष लेते हुए थाने पहुंच गए और दूसरे के ऊपर कार्रवाई का दबाव बनाने लगे,यहां तक की थाने में धरने पर बैठ गए, एनडीटीवी के पत्रकार दीपेंद्र शुक्ला ने इस पूरे मसले को लेकर खबर बना दी तो फोन कर पत्रकार को धमकाने लगे,पत्रकार की फोटो देकर उसके पीछे अपने गुर्गे लगा दिए,पत्रकार को डराने की कोशिश होने लगी,पत्रकार ने एसपी बलौदाबाजार-भाठापारा से इसकी शिकायत की है, कांग्रेस और भाजपा के तमाम आला नेताओं तक बात पहुंचा दी गई है, सीएम हाउस तक भी बात पहुंची है,सरकार की ओर से पत्रकार को सुरक्षा मुहैया कराई गई है, मगर केवल कुछ दिन की सुरक्षा से कुछ नहीं होगा? मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई भी होनी चाहिए थी जो नहीं हुई।

पत्रकार को कार से कुचलने का प्रयास

ज्ञात हो कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर खेती करने के मामले में ग्रामीणों की शिकायत पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही करने तथा उक्त मामले की खबर अखबार में प्रकाशित करने से नाराज अतिक्रमणकारी ने पत्रकार पर जानलेवा हमला करते हुए उसे कार से कुचलने का प्रयास किया जिसकी शिकायत पत्रकार द्वारा बसंतपुर थाने में दी गई है। वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत बसंतपुर में स्थित शासकीय भूमि पर स्वास्थ्य विभाग में सुपरवाईजर दिनेश यादव व अन्य के द्वारा कब्जा किया गया था जिसकी शिकायत करने पर तहसीलदार ने भूमि पर निर्माण या खेती करने पर रोक लगा दी थी इसके बाद भी भूमि पर अतिक्रमणकारियों ने खेती कर दी इस संबंध में रिहन्द टाइम्स द्वारा खबर का प्रकाशन किया गया था वहीं प्रशासन द्वारा खबर को संज्ञान में लेकर कार्यवाही करते हुए खेती को जप्त कर पंचायत के सुपुर्द कर दिया गया। इससे अतिक्रमणकारी दिनेश यादव द्वारा बसंतपुर में अखबार के प्रतिनिधि पत्रकार रामहरि गुप्ता से द्वेष रखते हुए उसे धमकी दी जा रही थी आज सुबह जब पत्रकार रामहरि गुप्ता गांव के सोसयटी दुकान से पैदल अपने घर की ओर जा रहा था उसी समय हाईस्कूल की ओर से दिनेश यादव अपनी कार से आ रहा था रामहरि गुप्ता को देखकर उसने अचानक कार की रफ्तार बढ़ा दी तथा उसपर कार चढ़ाने का प्रयास किया। तेज रफ्तार में अपनी ओर कार को आता देखकर सतर्क हो चुके रामहरि गुप्ता ने एक और छलांग लगाकर स्वयं को बचाया।

पत्रकार पर जानलेवा हमला का आरोप

बता दें कि बालोद जिले के गुरुर थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े एक पत्रकार पर कातिलाना हमला हुआ जिसके बाद पत्रकार अधमरे हालत में कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती भी रहा,लेकिन गुरुर पुलिस थाना प्रभारी तूल सिंह पट्ठवी के द्वारा कई दिन बीत जाने के बाद भी हमलावर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया हैं। जानकारी के मुताबिक गुरुर पुलिस थाना प्रभारी तूल सिंह पट्ठवी द्वारा आरोपियों को जान बुझकर गिरफ्तार नही किया जा रहा था जिससे कि पत्रकार पर जानलेवा हमले के आरोपी कोर्ट से अग्रिम जमानत ले सके। थाना प्रभारी अपने मंसूबे में सफल भी रहे जिसके बाद पत्रकार पर हुए कातिलाना हमले के मुख्य आरोपी पूर्व विधायक भैय्या राम सिन्हा ने कोर्ट से अग्रिम जमानत भी ले ली।

राजधानी रायपुर में वरिष्ठ पत्रकार के अपहरण का प्रयास

राजधानी रायपुर में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकारों के साथ हो रहे उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला वरिष्ठ पत्रकार मनोज शुक्ला के अपहरण और महिला पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार का है। इस गंभीर मामले में पुलिस द्वारा आरोपियों पर मात्र मामूली धाराएं लगाकर पल्ला झाड़ने की घटना ने पत्रकारों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध?

अम्बिकापुर,25 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 55 वां दिन

?

कलम बंद...का 55 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,25 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

?

कलम बंद...का 55 वां दिन

कलम बंद...का 55 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,25 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

कलम बंद...का 55 वां दिन

कलम बंद...का 55 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

पैरालिंपिक के लिए रवाना हुआ भारत का सबसे बड़ा दल

» इस बार टूटेगा पदकों का रिकॉर्ड!

» 28 अगस्त से शुरू हो रहा पैरालिंपिक

» पेरिस के लिए रवाना हुआ भारतीय दल

» भारत के दल में कुल 179 सदस्य शामिल

नई दिल्ली ,25 अगस्त 2024। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झझारिया और मिशन प्रमुख सत्य प्रकाश सांगवान सहित एक बड़ा दल रविवार को पेरिस के लिए रवाना हुआ। झझारिया ने बताया कि वह 'सभी खिलाड़ियों का ध्यान रखने के लिए' खेल गांव के बाहर रहेंगे क्योंकि कुछ खिलाड़ी पेरिस के बाहर प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने 2021 में तोक्यो पैरालंपिक में 19 पदक (पांच स्वर्ण, आठ रजत, छह कांस्य) जीते थे जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारत की 84 सदस्यीय टीम रवाना

भारत की 84 सदस्यीय टीम 28 अगस्त से शुरू हो रहे पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गई है, जिसमें उनके साथ 95 अधिकारी भी हैं। इनमें खिलाड़ियों की विशेष जरूरतों को देखते हुए उनके साथ जाने वाले निजी कोच और सहायक भी शामिल हैं। इस तरह भारत के दल में कुल 179 सदस्य शामिल हैं। इन 95 अधिकारियों में से 77 टीम अधिकारी, नौ दल के चिकित्सा अधिकारी और नौ अन्य दल अधिकारी शामिल हैं। भारत पेरिस पैरालंपिक (28 अगस्त से आठ सितंबर) में 84 खिलाड़ियों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा है जो 12 खेलों में हिस्सा लेंगे।

2021 में हुए तोक्यो पैरालंपिक में भारत के 54 खिलाड़ियों ने नौ खेलो में हिस्सा लिया था। मंत्रालय ने दल को स्वीकृति देते हुए कहा, 'कुछ पैरा खिलाड़ियों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दल में निजी कोच को शामिल किया गया है। हालांकि वे मिशन प्रमुख/टीम के मुख्य कोच के निर्देशों के अनुसार अन्य खिलाड़ियों को भी आवश्यक सेवाएं प्रदान करेंगे।' उन्होंने कहा, 'मिशन प्रमुख और पैरा बैडमिंटन के लिए एक टीम मैनेजर को छोड़कर पूरे दल (खिलाड़ियों, दल के अधिकारियों, कोच) की भागीदारी का खर्च सरकार उठाएगी।'

सुमित अंतिल और अवनि लेखरा को मिलेंगे निजी कोच

भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और निशानेबाज अवनि लेखरा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें निजी कोच मिलेंगे। ये दोनों तोक्यो पैरालंपिक में अपना स्वर्ण पदक बचाने की कोशिश करेंगे। पैरा एथलेटिक्स टीम 38 प्रतिभागियों के साथ भारत की सबसे बड़ी टीम है। इसमें सबसे अधिक संख्या में निजी कोच और सहायक कर्मी भी शामिल हैं। मिशन प्रमुख और पैरा बैडमिंटन टीम के मैनेजर को छोड़कर दल के सभी सदस्यों को खेलों के दौरान ठहरने की आवश्यक और वास्तविक अवधि के अनुसार 50 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन का अलाउंस मिलेगा जिसमें अनुकूलन और प्रशिक्षण अवधि के अलावा दो दिन की आने-जाने की यात्रा का समय भी शामिल होगा। कुछ अधिकारी खेल गांव के बाहर रहेंगे।

युवराज सिंह दिल्ली कैपिटल्स के कोच बनेंगे

» आईपीएल फेंचाइजी ने पॉंटिंग का साथ छोड़ा

नई दिल्ली ,25 अगस्त 2024। भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह की इंडियन प्रीमियर लीग में 5 साल बाद वापसी हो सकती है, लेकिन उनका रोल बदलेगा। वे दिल्ली कैपिटल्स के कोच बनाए जा सकते हैं।

स्पोर्ट्स स्टार ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि दिल्ली की फ्रेंचाइजी ने युवराज से कोच बनने के लिए संपर्क किया है। फिलहाल बातचीत जारी है। दिल्ली कैपिटल्स का कोच पद छोड़ने वाले रिकी पोंटिंग ने भी इस बात के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि फ्रेंचाइजी मुख्य कोच की भूमिका के लिए किसी पूर्व भारतीय क्रिकेटर की तलाश कर रही है।

जीटी के कोच बनने की भी अटकलें थीं

पिछले महीने युवराज के गुजरात टाइटंस का कोच बनने की खबरें आई थी। इस मामले में ताजा जानकारी है कि नेहरा गुजरात के हेड कोच बने रह सकते हैं। गुजरात की टीम बैटिंग कोच गैरी कर्स्टन की जगह किसी भारतीय कोच तलाश रही है। कर्स्टन गुजरात की टीम को छोड़कर पाकिस्तान की नेशनल टीम के कोच बन गए हैं।

रिकी पोंटिंग ने पिछले महीने छोड़ा था पद

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने पिछले महीने दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। वे पिछले 7 सीजन से दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। दिल्ली की टीम पिछले तीन सीजन से प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही है।

महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए हुआ टीम का ऐलान

» खराब प्रदर्शन की वजह से नए कप्तान को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रावलपिंडी,25 अगस्त 2024। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक यूएई में खेले जाने वाले आगामी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय पाकिस्तानी महिला टीम का ऐलान कर दिया गया है। पीसीबी ने एक बड़ा फैसला भी टीम के ऐलान के साथ लिया है जिसमें कप्तानी की जिम्मेदारी से निदा डार को हटाते हुए उसे फातिमा सना को सौंप दिया गया है। पीसीबी के इस फैसले की सबसे बड़ी वजह पिछले काफी समय से महिला टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहना था। हाल में ही खत्म हुए महिला टी20 एशिया कप में पाकिस्तान टीम का सफर सेमीफाइनल के साथ ही खत्म हो गया था।

अब तक फातिमा सना ने खेले 41 वनडे और 40 टी 20 मैच

22 साल की फातिमा सना ने अब तक पाकिस्तानी महिला टीम की तरफ से इंटरनेशनल क्रिकेट में 41 वनडे और 40 टी20 मुकाबले खेले हैं। फातिमा सना ने पाकिस्तान इमर्जिंग टीम की कप्तानी करने के साथ घरेलू क्रिकेट में भी इस जिम्मेदारी को निभाया है। वहीं साल 2023 में जब पाकिस्तानी महिला टीम ने न्यूजीलैंड के दौरे पर हेग्ली ओवल में खेले गए मुकाबले में सुपर ओवर में जीत हासिल की थी तो उसमें भी फातिमा ने ही टीम की कप्तानी संभाली थी। फातिमा से पहले निदा डार टीम की सभी फॉर्मेट में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रही थी जिनको बिस्माह मारूफ की जगह कप्तान बनाया गया था। पाकिस्तानी महिला टीम को आगामी टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-ए में भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ शामिल किया गया है, जिसमें सभी को आईसीसी की तरफ से वेन्यू बदले जाने के बाद से संशोधित शेड्यूल के ऐलान का इंतजार है।

महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए पाकिस्तान की टीम

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा सुंधू, निदा डार, ओमैमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन।

ट्रैवलिंग रिजर्व - नजीहा अल्वी (विकेटकीपर)।

नॉन ट्रैवलिंग रिजर्व - रमीन शमीम और उम्म-ए-हानी।

निकोलस पूरन ने सूर्यकुमार यादव और ग्लेन मैक्सवेल को छोड़ा पीछे

» छक्के लगाने की इस लिस्ट मे पहुंच गए तीसरे नंबर पर

त्रिनिडाड,25 अगस्त 2024। वेस्टइंडीज की टीम अपने घर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है, जिसका पहला मुकाबला 23 जुलाई को त्रिनिडाड के मैदान पर खेला गया। इस मैच में मेजबान विंडीज टीम ने 7 विकेट से बड़ी जीत हासिल करने के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की जीत में निकोलस पूरन ने बल्ले से अहम भूमिका अदा की जिसमें उन्होंने सिर्फ 26 गेंदों का सामना करने के साथ 250 के स्ट्राइक रेट से 62 रनों की नाबाद पारी खेली। पूरन ने अपनी इस पारी के दौरान कुल 7 छक्के लगाए जिसके साथ वह अब टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में रोहित शर्मा और मार्टिन गुप्टिल के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरू होने से पहले निकोलस पूरन सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में 7वें नंबर पर थे, जिसमें उनके नाम पर 132 छक्के दर्ज थे। अब सीरीज के पहले टी20 मैच के बाद वह इस लिस्ट में सीधे तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। निकोलस पूरन के नाम पर अब 96 मैचों में 139 छक्के दर्ज हैं। वहीं इस लिस्ट में रोहित शर्मा 205 छक्कों के साथ पहले नंबर पर काबिज हैं तो वहीं मार्टिन गुप्टिल 173 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में 136 सिक्स के साथ पांचवें नंबर पर हैं तो वहीं जोस बटलर 137 छक्कों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

पूरन के पास बचे 2 टी20 मैच में बड़ी बढ़त लेने का मौका

तीन मैचों की इस टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 25 अगस्त जबकि तीसरा मैच 27 अगस्त को खेला जाएगा। ऐसे में निकोलस पूरन के पास जहां सीरीज के बाकी बचे 2 मैचों में टी20 इंटरनेशनल में अपने 150 छक्के पूरे करने का मौका होगा तो वहीं उनके पास जोस बटलर से एक बड़ी बढ़त भी हासिल हो सकती है। पूरन की गिनती वर्ल्ड क्रिकेट के विस्फोटक बल्लेबाजों में की जाती है, जिन्होंने अब तक 96 टी20 मैचों में 137.77 के औसत से 2141 रन बनाए हैं, जिसमें 13 अर्धशतकीय पारियां भी शामिल हैं।

हमें घरेलू हालातों का फायदा लेने के बारे में सोचना चाहिए

» रावलपिंडी टेस्ट मैच की पिच को लेकर भड़के नसीम शाह

रावलपिंडी,25 अगस्त 2024। ऐसा पहली बार देखने को नहीं मिला है कि पाकिस्तान में किसी टेस्ट मैच की पिच को लेकर तेज गेंदबाज या फिर स्पिनर्स ने अपने गुस्से को जाहिर किया है। इससे पहले पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान में खेले गए टेस्ट मैच में पिच पांचों बल्लेबाजी के लिए काफी मुफीद साबित होती दिखी है। नसीम शाह ने चौथे दिन के खेल के बाद रावलपिंडी टेस्ट मैच की पिच को लेकर कहा कि ईमानदारी से बात कहनी चाहिए जिसमें मुझे लगता है कि पिछली कई सीरीज से इस तरह की पिच हमें मिली है। मुझे लगता है कि इस टेस्ट मैच को लेकर पूरी कोशिश की गई थी कि गेंदबाजों को पिच से मदद मिल सके, लेकिन मुझे लगता है कि धूप और गर्मी अधिक होने से पिच बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर साबित हुई। अब हमें इस बारे में भी सोचना चाहिए कि घरेलू हालात का फायदा किस तरह से उठाया जा सकता है क्योंकि मैच का नतीजा तो निकलना ही चाहिए। पिच बनाना मेरे हाथ में नहीं है लेकिन जो इसे बनाते हैं उन्हें सभी चीजों को ध्यान में रखना चाहिए क्योंकि अगर आप तेज गेंदबाजों की मददगार पिच नहीं बना सकते तो कम से कम स्पिनर्स के लिए मदद करने वाली पिच बना दें।

जो रूट ने एक पारी से तोड़ दिए ये बड़े रिकॉर्ड

लंदन,25 अगस्त 2024। इंग्लैंड की टीम ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज काफी शानदार तरीके से करते हुए मैनचेस्टर में खेले गए पहले मुकाबले को चौथे दिन ही 5 विकेट से अपने नाम कर लिया। इस मैच में इंग्लैंड को जीत के लिए चौथी पारी में 205 रनों का टारगेट मिला था जिसमें उन्होंने एक समय 119 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जो रूट ने पारी को एक छोर से संभालते हुए जेमी स्मिथ के साथ पहले अहम साझेदारी की और उसके बाद क्रिस वोक्स के साथ मिलकर टीम को इस मैच में जीत दिलाकर वापस लौटे। जो रूट के बल्ले से 128 गेंदों में 62 रनों की पारी देखने को मिली। उन्होंने अपनी इस पारी के दम पर 2 बड़े रिकॉर्ड भी बना दिए।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारियां खेलने के मामले में निकले द्रविड़ और बॉर्डर से आगे

जो रूट श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 42 के स्कोर पर आउट हो गए थे। इसके बाद उन्होंने टीम की दूसरी पारी में अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पूरा समय लेने के साथ 62 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी के दम पर अब जो रूट टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारियां खेलने के मामले में सचिन तेंदुलकर और शिवनारायण चंद्रपॉल के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं। रूट ने दिग्गज खिलाड़ी एलन बॉर्डर और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया है जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 63-63 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज था। वहीं जो रूट के नाम पर अब 64 फिफ्टी दर्ज हैं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने के मामले में पहुंचे 5वें नंबर पर

श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 62 रनों की पारी खेलने के बाद जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने के मामले में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। रूट की ये 96वीं पारी थी जब उन्होंने फिफ्टी प्लस का स्कोर बनाया है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर सचिन तेंदुलकर का नाम है जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 119 पारियां फिफ्टी प्लस स्कोर की खेली हैं। इसके अलावा जो रूट इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट की चौथी पारी में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने के मामले में जेफ्री बॉयकाट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं जिसमें दोनों के नाम 10-10 पारियां दर्ज हैं।

बांग्लादेश से हारकर पाकिस्तान डबल नुकसान में

बांग्लादेश भी निकल गया आगे

रावलपिंडी,25 अगस्त 2024। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले को बांग्लादेश की टीम ने 10 विकेट से जीत लिया। पाकिस्तान को इस मैच में मिली हार के कारण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंक तालिका में भी नुकसान हुआ है। पाकिस्तान की टीम यह मैच शुरू होने से पहले छठे स्थान पर थी, लेकिन उनकी टीम अब 8वें स्थान पर आ गई है। पाकिस्तान के लिए यह टेस्ट क्रिकेट में एक शर्मनाक दिन रहा।

शाहरुख-ऋतिक ने रिजेक्ट की 23 साल पहले आई वो फिल्म जिसने रचा इतिहास,जीते थे 8 नेशनल अवॉर्ड

साल 2001 में रिलीज हुई लगान आमिर खान के करियर की बेस्ट फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म में आमिर खान धोती-कुर्ता पहने एक गांववाले के किरदार में दिखाई दिए थे। आशुतोष गोवारिकर के निर्देशन में बनी ये फिल्म साल 2001 की ही नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा की सबसे शानदार फिल्मों में से एक मानी जाती है। लेकिन,ये बात और है कि शुरुआत में इस प्रोजेक्ट को काफी रिजेक्शन झेलने पड़े थे। यही नहीं, इस फिल्म के लिए आमिर खान आशुतोष गोवारिकर की पहली पसंद भी नहीं थे। आमिर से पहले ये फिल्म बॉलीवुड के दो टॉप स्टार्स को ऑफर की गई थी। ये दो सुपरस्टार शाहरुख खान और ऋतिक रोशन थे, लेकिन दोनों ने ये फिल्म रिजेक्ट कर दी थी। यही नहीं, जावेद अख्तर को भी फिल्म की सफलता पर कुछ खास यकीन नहीं था। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि धोती-पगड़ी पहने हीरो को कोई पसंद नहीं करेगा। आमिर खान स्टारर लगान में लाखा की भूमिका निभाने वाले अभिनेता यशपाल शर्मा ने हाल ही में फ्राइडे टॉकीज के साथ बातचीत में ये खुलासा किया और बताया कि शुरुआत में किसी को लगान की स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं था, लेकिन बाद में फिल्म ने इतिहास रच दिया। यशपाल ने बताया कि कई लोगों का कहना था कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट जाएगी। वह कहते हैं- जावेद अख्तर सहित सभी लोगों का कहना था कि लगान नहीं चल सकेगी। कोई भी गांव की कहानी या धोती-पगड़ी पहनने वाले हीरो को पसंद नहीं करेगा। जावेद साहब ने कहा था- तुम अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हो। यशपाल ने फिल्म को लेकर आशुतोष गोवारिकर के स्ट्रगल को याद करते हुए बताया था कि उन्हें फिल्म के लिए लीड स्टार को तलाश करने में काफी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने पहले शाहरुख खान को फिल्म के लिए अप्रोच किया, लेकिन सुपरस्टार स्क्रिप्ट से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने (आशुतोष गोवारिकर) ने ऋतिक रोशन को स्क्रिप्ट सुनाई, लेकिन वो भी इसके लिए तैयार नहीं हुए।

यशपाल ने फिर फिल्म की सफलता और इसके ग्लोबल इम्पेक्ट के बारे में बात की और बोले- लेकिन उस फिल्म ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि वह हमें दुनिया भर में ले गई। इसे ऑस्कर के लिए भी नॉमिनेट किया गया था। इससे हमें एक्सपोज़र मिला। बता दें, आमिर खान ने खुद भी शुरुआत में लगान रिजेक्ट कर दी थी। सुपरस्टार ने एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था और कहा था- जब मैंने लगान की स्क्रिप्ट सुनी, इसके पहले 5 मिनट के नरेशन को सुनने के बाद मैंने ये रिजेक्ट कर दी। मैंने आशुतोष को कहा- ये अजीब कहानी है, मुझे दूसरी कहानी लाकर दो।

श्रद्धा कपूर ने इस मामले में प्रियंका चोपड़ा को दी टक्कर

स्त्री 2 की अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों लोगों के बीच जबरदस्त चर्चा में बनी हुई हैं। वहीं शक्ति कपूर की बेटी ने इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स के मामले में नरेंद्र मोदी के बाद अब प्रियंका चोपड़ा को भी पीछे छोड़ दिया है। श्रद्धा कपूर इंस्टाग्राम पर दूसरी सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए क्रिकेटर विराट कोहली के बाद दूसरी सबसे ज्यादा फॉलोअर्स वाली सेलिब्रिटी बन चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है।श्रद्धा कपूर के लिए 2024 बेहद लकी साबित हुआ है। 24 अगस्त, 2024 को दोपहर 4: 32 बजे तक बॉलीवुड की देसी गर्ल के इंस्टाग्राम पर 91.8 मिलियन फॉलोअर्स रहे हैं जबकि श्रद्धा के अब 91.9 मिलियन फॉलोअर्स हो चुके हैं। फिल्म स्त्री 2 की शानदार सफलता से एक्ट्रेस की भी किस्मत चमक गई है, जिसके चलते उनके फॉलोअर्स में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। अगर यह सिलसिला ऐसे ही जारी रहा तो वह विराट के बाद इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फॉलोअर्स क्लब में शामिल होने दूसरी भारतीय बन जाएंगी।विराट कोहली 270 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स के साथ इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले पहले भारतीय बने हुए हैं। श्रद्धा और प्रियंका के बाद, पीएम नरेंद्र मोदी 91.3 मिलियन फ़ॉलोअर्स के साथ चौथे स्थान पर हैं। आलिया भट्ट 85.2 मिलियन के साथ पांचवें स्थान पर हैं, उसके बाद कैटरीना कैफ (80.4 मिलियन), दीपिका पादुकोण (79.9 मिलियन) और नेहा कक्कड़ (78.7 मिलियन) हैं।

हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 की सफलता के बाद श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फिल्म ने रिलीज के सिर्फ 9 दिनों में भारत में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। श्रद्धा जल्द ही चालबाज इन लंदन और चंदा मामा दूर में दिखाई देंगी। उनके हाथ अनुराग बसु की भी फिल्म है, जिसमें रणबीर कपूर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी होंगे।

CMYK

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 55 वां दिन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या? इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...? क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक... अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)